

1947 के भारत-पाक युद्ध की वीरगाथा याद दिलाएगा 'डकोटा'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : आठ अक्टूबर को वायुसेना के ४६वें स्थापना दिवस के मौके पर जब देश के जांबाज पायलट आसमान में अपनी वीरता का प्रचम लहराएंगे, ठीक उसी वक्त भारतीय वायुसेना का विटेंज एयरक्राफ्ट 'डकोटा' देश को 1947 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध की याद दिलाएगा। द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल रहा वायुसेना का मालवाहक विमान 'डकोटा' की लोग पहली बार झलक देख सकेंगे।

कबाड़ि में पहुंच चुके इस विमान के उद्घार में राज्यसभा सदस्य राजीव चंद्रशेखर का बहुत बड़ा हाथ है। उनके ही प्रयास से इसे ब्रिटेन में फिर से तैयार किया गया। राजीव चंद्रशेखर के अनुसार, “आज अगर श्रीनगर भारत का हिस्सा है तो उसका सारा श्रेय ‘डकोटा’ विमान को जाता है। 1947 के भारत-पाक युद्ध में इसी विमान ने सैनिकों को कश्मीर की धरती तक तीव्रता से पहुंचाया, जिससे पाकिस्तानी घुसपैठियों व सेना को करारा जवाब दिया जा सका।” बता दें कि इसे 1930 में रॉयल इंडियन एयर फोर्स के 12वें दस्ते में शामिल किया गया था। 1971 के युद्ध में भी इस विमान ने बांग्लादेश की मुक्ति में अहम भूमिका निभाई। राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक, उन्हें यह विमान 2011 में मिला था और इसी साल उन्होंने इसे वायुसेना को फिर सुपुर्द किया है। उनके पिता रिटायर्ड एयर कोमोडोर एम के चंद्रशेखर इस विमान को उड़ाया करते थे।